राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बाढ़ गुजरान, थानागाजी, अलवर (राज.)

हजारी लाल गुर्जर, शिक्षक

इस विद्यालय में शिक्षकों की मासिक कार्यशाला का आयोजन किया गया है। साथ ही इस विद्यालय के शिक्षकों के साथ सीसीई प्रक्रिया पर कार्य हेतु मेरे द्वारा भी नियमित रूप से सप्ताह में एक दिन दिया गया है। प्रारम्भ में सीसीई से सम्बन्धित कार्य इस विद्यालय में नहीं हो पा रहा था परन्तु जब नियमित रूप से यहाँ कार्यशाला होने एवं अन्य शिक्षकों की समस्या के समाधान हेतु यहाँ के शिक्षकों को इस प्रक्रिया में सहयोग देना अपेक्षित समझा गया। जिसमे रामानन्द जी ने इस प्रक्रिया में गहरी रुचि ली। इन्होंने नियमित रूप से मासिक कार्यशाला में अंग्रेजी विषय के एमटी के रूप में कार्य किया है तथा स्कूल में बच्चों के साथ अंग्रेजी विषय पर सीसीई की प्रक्रिया को अपनाने का प्रयास किया गया है। जिसमे प्रार्थना सत्र कक्षा–कक्ष में शिक्षण कार्य एवं खेल गतिविधियों का समावेश करते हुए शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने की कोशिश की गई है।

रामानन्द जी ने अपनी विषय में एमए, बी.एड किया हुआ है तथा लगभग 10 वर्ष से शिक्षण कार्य से जुड़े हुए हैं। प्रारम्भ में एमटी के रूप में जब उन्होंने काम शुरू किया तो उनकी सीसीई में ज्यादा स्पष्टता नहीं थी परन्तु मेरे सहयोग से उन्होंने इस प्रक्रिया में काफी समझ बनी तथा अन्य शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करने लगे हैं।

इस विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक के लिए 6 शिक्षक नियुक्त हैं। जिसमे चार शिक्षक कक्षा 1 से 5 तक में कार्य करते हैं। एक शिक्षक इसी सत्र में रिटायरमेंट हो रहे हैं जो बच्चों के साथ इस प्रक्रिया के अनुसार काम करने में अक्षम है। एक शिक्षक संतोष कुमार शर्मा ने तीन माह काम करने के बाद स्थानान्तरण करवा लिया है। वर्तमान में 1 से 5 तक के साथ काम करने के लिए मात्र दो शिक्षक हैं जो काफी प्रयास कर रहे हैं परन्तु शिक्षकों के अभाव में कार्य बाधित हो रहा है। इस शाला में सीसीई से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज़ों को कार्य के दौरान समझने का प्रयास भी किया गया है। इस शाला में बच्चों के साथ विभिन्न कार्यक्षेत्रों में अपनी कार्यशैली में परिवर्तन किया है। जिसमे साफ–सफाई में बच्चों के साथ शिक्षक मिलकर सहयोग करना तथा सभा सत्र में गीत/कविता, दोहे तथा नवीन जानकारी देने का प्रयास किया गया है। शिक्षण कार्य में बच्चों की समस्याओं को समझकर उनकी समस्याओं के समाधान करना व उनकी टिप्पणी को कुछ अभिभावकों के साथ शेयर किया जाता है।